(भौगोलिक विचारधारा) B.A Part III

हृदय स्थल सिद्धांत
(Heart Land Theory)

हृदय स्थल सिद्धांत आदर्शवादी निगमनात्मक मॉडल है जो भूराजनीति एवं सामरिक शक्तियों के मध्य सर्वोच्चता के संघर्ष को अवस्थिति एवं संसाधनों के संकेन्द्रण के द्वारा दिखता है।

यह मॉडल थल एवं जल शक्तियों के मध्य ऐतिहासिक संघर्ष के मध्य के विचार पर आधारित है परंतु महान के विपरीत यह थल शक्ति को सर्वोपरि मानता है। 1904 में सर्वप्रथम Geographical Pivot of History नामक पुस्तक में मैकेण्डर के विचारों का प्रकाशन हुआ, जिसमें निम्नलिखित अवधारणाएँ थी —

(a) इतिहास का भौगोलिक कारणवाद

(b) थल एवं जल शक्ति के मध्य ऐतिहासिक संघर्ष।

मैकेंडर ने मंगोल इतिहास से प्रेरणा ली। अतः थल शक्ति अथवा अश्व शक्ति को श्रेष्ठ माना। मंगोलों के आक्रमण से रूस का आंतरिक भूभाग सुरक्षित था क्योंकि भौगोलिक रूप से यह प्राकृतिक दुर्ग है।

Pivot - धूरी क्षेत्र का अर्थ है विश्व के भूराजनीति का केंद्र जो भविष्य में अपनी वर्चस्व को विश्व में स्थापित करेगा। यह Pivot Area पूर्व में साइबेरिया उच्च भूमि, पश्चिम में यूराल, उत्तर में आर्कटिक तथा दक्षिण में मध्य एशिया की उच्चभूमि से घिरा है। अतः यह सुरक्षित प्राकृतिक दुर्ग है। यहाँ प्राकृतिक संसाधन जैसे जल संसाधन, खनिज संसाधन, वन संसाधन प्रचुर हैं। इसे भविष्य में शक्ति का केंद्र माना गया।

पूरे विश्व को त्रिस्तरीय मॉडल के रूप में दर्शाया गया —

(a) धूरी क्षेत्र (Pivot)

(b) आंतरिक या सीमांत अर्द्धचंद्र – इसके अंतर्गत पूर्वी यूरोप, तिब्बत, मध्य एशिया, पo एशिया, दo एशिया एवं पूर्वी चीन शामिल थे, जबकि जापान एवं ब्रिटिश द्वीप समूह को थल से सटा न होने के कारण अलग रखा।
(c) बाह्य अर्द्धचंद्र – USA, अफ्रीका का सहारा से दक्षिणी अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, U.K, जापान, सम्मिलित थे।
1917 में बोल्शेविक क्रांति, प्रथम विश्वयुद्ध में जर्मनी की हार एवं ट्रांस साइबेरियन रेलमार्ग का निर्माण कुछ ऐसी घटनाएँ रही जिसने मैकेंडर को उत्साहवर्धन किया, क्योंकि USSR एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा था। मैकेंडर ने अपनी पुस्तक Democratic idea and reality में हृदय स्थल सिद्धांत को प्रतिपादित किया। हृदय स्थल धुरीय क्षेत्र का ही संशोधित रूप है। इसकी पश्चिमी सीमा वोल्गा बेसिन, दक्षिणी सीमा ईरान से हिमालय की पर्वतश्रृंखला को माना। इसी प्रकार आंतरिक अर्द्धचंद्र में परिवर्तन कर संपूर्ण अफ्रीका को सम्मिलित किया। एशिया-यूरेशियन भूखण्ड को विश्वद्वीप की संज्ञा दी। विश्व द्वीप पर 3/4 जनसंख्या निवास करती है, अतः सभी प्रकार के सामरिक संघर्ष का केंद्र होगा।
मैकेंडर ने लिखा – who rules eastern Europe commands the heartland and who commands the heartland rules the world island and who command the world islands rules the world.
द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद USA एक शक्ति रूप के रूप में उभरकर सामने आया। जर्मनी की हार USSR की विजय एवं बदलते भूराजनैतिक परिप्रेक्ष्य में मैकेंडर ने अपने सिद्धांत में पुनर्संशोधन किया जो foreign affairs नामक पत्रिका में The round world and

Winning of the peace नामक Article से प्रकाशित हुआ। इसमें Mid Land Basin एवं रीता बोलिन की संकल्पनाओं को विकसित किया।

रीता बोलिन पूर्वी सामंतेलिया है जबकि Mid Land Basin उ० यू० अमेरिका एवं UK के संयुक्त भाग को कहते हैं, जिसके मध्य अटलांटिक अपनी नौगम्यता के कारण इन्हें जोड़ता है तथा इन दोनों भागों की प्रकृति जलवायु आर्थिक क्रियाएँ एकसमान हैं, अतः इनके राजनैतिक एवं आर्थिक आकांक्षाएँ भी एकसमान हैं। अतः विश्व की भूराजनीति में यह एक सत्ता है। इस प्रकार मैकिण्डर ने द्विध्रुवीय विश्व की पुर्वाेक्षणा का दी तथा शीतयुद्ध काल में यह शक्ति-संघर्ष के रूप में प्रकट भी हुआ था तथा हृदयस्थल (USSR) ने अपनी सामरिक शक्ति का प्रदर्शन कई बार किया जैसे क्यूबा मिसाइल संकट, वियतनाम युद्ध, भारत-पाक युद्ध 1971।

1991 में USSR का विघटन हुआ तथा आर्थिक सत्ता के रूप में CIS का निर्माण किया गया तथा सैन्य शक्ति को कायम रखने का प्रयास किया गया।

वर्तमान प्रसंग में हृदयस्थल सिद्धांत तीन कारणों से प्रासंगिक नहीं है —

(1) रूस का सैन्य शक्ति होना — चेचेन्या, क्रीमिया, बेलारूस, तकीर, सीरिया पर बमबारी।

(2) आर्थिक क्षेत्र में SCO एवं अन्य आर्थिक संगठनों द्वारा विश्व व्यापार को प्रभावित करता है।

(3) UNSC का स्थायी सदस्य है।